

व्यवसाय योजना

दूध तथा दूध से बनने वाले अन्य उत्पाद
(पनीर, घी, खोया, फ्लेवरड मिल्क, मिट्टाई)



-शक्ति स्वयं सहायता समूह VFDS बढगई

एसएचजी नाम	::	ग्रीन वैली स्वयं सहायता समूह
वीएफडीएस नाम	::	बढगई
एफटीयू/रेज	::	अरसू
डोएमयू/मंडल	::	लुहरी (आनी)
एफसीसीयू / सर्किल	::	रामपुर

हिमाचल प्रदेश वन परितंत्र प्रबंधन एवं आजीविका सुधारपरियोजना
(जे.आई.सी.ए. वित्तपोषित) परियोजना

विषयसूची

क्रमांक	विवरण	पृष्ठ
1	परिचय	3-5
2	गाव का भौगोलिक विवरण	6
3	आय सृजन गातोवोध से सर्बाधत उत्पाद का विवरण	7
4	विपणन एवम सदस्य प्रबन्धन	8
5	उत्पादन योजना का विवरण	8
6	स्वोट विश्लेषण	9
7	सम्भावित जोखिम	10
8	वित्तीय अनुमान	11
9	लागत विश्लेषण	12
10	निधि प्रवाह	13
11	टिप्पणी	14
12	समूह का सामूहिक चित्र	15
13	समूह का सहमति पत्र	16

1. परिचय

हिमाचल प्रदेश छोटी घाटियों, छोटी पहाड़ियों से लेकर शक्तिशाली पर्वत श्रृंखलाओं से युक्त है। जिनकी ऊँचाई 3000 मीटर से लेकर 6800मीटर तक है विविध आवासों की उपलब्धता के कारण यह जैव विविधता समृद्ध संस्कृति और धार्मिक विरासतों और सुन्दर भूदृश्य शेष समृद्ध है। राज्य का क्षेत्रफल 55,673 वर्ग किलोमीटर है और 75,00,000 की आबादी है राज्य की लगभग 90% आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है कृषि अनुपालन बागवानी जलविद्युत और पर्यटन राज्यों की अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण क्षेत्र है। राज्य में 12 जिले हैं और कुल जनसंख्या का 6.67% कुल्लू जिले में रहता है। यह जिला लाहौल स्पीति, किन्नौर, शिमला तथा मंडी जिले के साथ अपनी सिमाएं जोड़ता है। व्यास, पार्वती और सतलुज इस जिले की मुख्य नदियां हैं।

कुल्लू हिमाचल प्रदेश में बसा एक खूबसूरत जिला तथा पर्यटक स्थल है। बरसों से इसकी खूबसूरती और हरीयाली पर्यटकों को अपनी ओर खींचती आई है व्यास नदी के किनारे बसा यह स्थान अपने यहां मनाए जाने वाले रंग-बिरंगे दशहरा के लिए प्रसिद्ध है यहां शत्रु शताब्दी में निर्मित रघुनाथ जी का मंदिर भी है जो हिंदुओं का प्रमुख तीर्थ स्थान है।

आनी निर्वाचन क्षेत्र हिमाचल प्रदेश के 68 निर्वाचन क्षेत्रों में से एक है कुल्लू जिले में स्थित यह निर्वाचन क्षेत्र अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है 2012 में इस क्षेत्र में कुल 72276 मतदाता थे। हमारे यहां वन मंडल आने के तहत तीन परिक्षेत्र आते हैं। जिनमें से दो परिक्षेत्र में JICA परितोषित परियोजना द्वारा कार्य किया जा रहा है। अरसू वन परिक्षेत्र का कार्यालय निरमंड गांव के समीप स्थित है इस परिक्षेत्र के तहत 5 ग्रामीण वन विकास समितियां बनाई गई है।

- वन विकास समिति शटलधार
- वन विकास समिति रल्लू
- वन विकास समिति बडगई
- वन विकास समिति टिकरी खरगा
- वन विकास समिति सरगा

जिस्म अलग-अलग तरह से स्वयं सहायता समूह भी बनाए गए हैं यहां का मुख्य व्यवसाय कृषि और बागवानी है।

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका सुधार परियोजना जाईका (JICA) प्रारंभ होने पर ग्राम वन विकास समिति **बडगई** की सूक्ष्म योजना बनाई गयी है। परियोजना के माध्यम से **बडगई** में स्वयं सहायता समूहों का गठन, "ग्रीन वैली स्वयं सहायता समूह" के रूप में किया गया।

इसके बाद "ग्रीन वैली स्वयं सहायता समूह" ने दूध तथा दूध से तैयार किये जाने वाले उत्पाद का कार्य करने का निर्णय लिया। समूह के सदस्य समाज के एक सामान्य जाति से ताल्लुक रखते हैं। अपनी आर्थिक स्थितियों को बढ़ाने के लिए, उन्होंने मशरूम बनाना का काम करने का फैसला किया है। "शक्ति स्वयं सहायता समूह" समूह में केवल महिलाएं शामिल हैं। इस समूह में 11 सदस्य शामिल हैं।

एसएचजी सदस्यों का विवरण

क्रमांक	नाम	पद	वर्ग	उम्र
1.	विजयलक्ष्मी	प्रधान	सामान्य	46
2.	सोजा देवी	सचिव	सामान्य	41
3.	कमला देवी	सदस्य	सामान्य	43
4.	इन्दिरा देवी	सदस्य	सामान्य	52
5.	सीमा देवी	सदस्य	सामान्य	43
6.	रामप्यारी	सदस्य	सामान्य	41
7.	सवित्रा देवी	सदस्य	सामान्य	51
8.	कांता देवी	सदस्य	सामान्य	49
9.	उर्मिला देवी	सदस्य	सामान्य	44
10.	अंजनी	सदस्य	सामान्य	46
11	इशारा देवी	सदस्य	सामान्य	

ग्रीन वैली स्वयं सहायता समूह की वित्तीय स्थिति

2.1.	एसएचजी/सीआईजी का नाम	::	ग्रीन वैली स्वयं सहायता समूह /दुग्ध उत्पाद
2.3	वीएफडीएस	::	बढगई
2.4	रेंज (वन परिक्षेत्र)	::	अरसू
2.5	डिवीजन	::	लुहरी (आनी)
2.6	गांव	::	बढगई
2.7	खंड	::	निर्मड
2.8	ज़िला	::	कुल्लू
2.9	SHG सदस्यों की कुल संख्या	::	11
2.10	गठन की तिथि	::	बढगई
2.11	बैंक का नाम और विवरण	::	
2.12	बैंक खाता संख्या	::	
2.13	एसएचजी/मासिक बचत	::	रु.100/-/माह
2.14	कुल बचत	::	1100/-
2.15	कुल अंतर-ऋण	::	
2.16	नकद ऋण सीमा	::	
2.17	चुकोती स्थिति		

2. गांव का भौगोलिक विवरण

3.1	जिला मुख्यालय से दूरी	:	145 किमी
3.2	मेन रोड से दूरी	::	15 किलोमीटर
3.3	स्थानीय बाजार का नाम और दूरी	:	रामपुर 30 किलोमीटर
3.4	प्रमुख शहरों के नाम और दूरी	::	रामपुर 30 किलोमीटर
3.5	प्रमुख शहरों के नाम जहां उत्पादों को बेचा/विपणित किया जाएगा	::	रामपुर 30 किमी, निरमंड 15 किमी

3. आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण।

4.1	उत्पाद का नाम	::	दूध से तैयार किये जाने वाले उत्पाद
4.2	उत्पाद पहचान की विधि	::	समूह के पास यातायात लिंकेज पहले से ही मौजूद है , उच्च गुणवत्ता के साथ यह उत्पाद तैयार करेगा तथा बाजार में बेचने के लिए भेजेगा ।
4.3	एसएचजी/सीआईजी/ समूह की सहमति	::	सहमति अनुलग्नक के रूप में संलग्न है।

4. उत्पादन प्रक्रियाएं।

प्रशिक्षण की व्यवस्था जे.आई.सी.ए. परियोजना द्वारा की जाएगी। प्रशिक्षण का पूरा खर्च जाइका परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा।

समूह ने शुरू में दुग्ध उत्पादों का उत्पादन के साथ शुरुआत करने का फैसला किया।

प्रशिक्षण के दौरान तकनीकी इनपुट के बाद दुग्ध उत्पादों को बाज़ार में बेचने का निर्णय लिया गया है। यह कार्य वर्षभर किया जा सकता है।

समूह के सदस्य रोजाना 1 घंटे, सुबह आधा घंटा और शाम को आधा घंटा काम करेंगे।

4.1	उत्पादन चक्र (वर्षभर)	::	यह कार्य वर्षभर किया जा सकता है। उत्पादों का उत्पादन आवश्यकता के आधार पर किया जाएगा। अच्छी गुणवत्ता दुग्ध उत्पादों की मांग बाजार में बहुत ज्यादा बनी रहती है।
4.2	जनशक्ति की आवश्यकता (संख्या)	::	सबसे पहले समूह के सभी सदस्य कार्य करने के लिए एक कमरे का चयन करेंगे। उसके बाद प्रयोग में लाये जाने वाले उपकरणों को कार्यशाला तक लाया जायेगा।
4.3	कच्चे माल का स्रोत	::	बागवानी विभाग, हिमाचल प्रदेश के सोलन जिला। हालांकि कुल्लू और बजौरा से भी कच्चा माल खरीदा जा सकता है।
4.4	अन्य संसाधनों का स्रोत	::	-do-

5. विपणन / बिक्री . का विवरण

5.1	संभावित बाजार स्थान	::	निरमंड, रामपुर और आनी
5.2	इकाई से दूरी	::	निरमंड 20 किमी, रामपुर 30 किमी, आनी 40 किमी
5.3	बाजार में उत्पाद की मांग		उत्पादों की मांग साल भर रहती है।
5.4	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	::	उपरोक्त तीनों स्थान विक्रय के लिए सुस्थापित हैं।
5.5	बाजार पर मौसमी का प्रभाव	::	सभी मौसमों में उपयोग किये जाते हैं और पूरे वर्ष उच्च मांग में रहते हैं। हालांकि गर्मी के दिनों में टूरिस्ट और मैरिज सेरेमनी की वजह से डिमांड ज्यादा रहती है।
5.6	उत्पाद के संभावित खरीदार	::	संभावित बाजार खरीदार अस्पताल, होटल, छात्रावास, दुकानें, स्थानीय निवासी / विवाह और अन्य औपचारिक अवसर आदि हैं।
5.7	क्षेत्र में संभावित उपभोक्ता	::	सभी स्वास्थ्य के प्रति जागरूक नागरिक / परिवार और होटल और ढाबे।
5.8	उत्पाद का विपणन तंत्र।	::	बाजार में मांग के आधार पर समूह इन्हें खुले में भी बेचेंगे बागीपुल, अरसू, निरमंड आदि का बाजार।
5.9	उत्पाद की मार्केटिंग रणनीति	::	प्रारंभ में समूह विभिन्न टाउनशिप में सभी सब्जी खुदरा विक्रेताओं से संपर्क करेगा, उसके बाद उत्पादन में वृद्धि पर, रामपुर और आनी बाजार के खुदरा विक्रेताओं से भी उनके उत्पाद को बेचने के लिए संपर्क किया जाएगा।
5.10	उत्पाद ब्रांडिंग	::	
5.11.	उत्पाद नारा	::	

6. सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

सभी सदस्य प्रशिक्षण लेंगे और दैनिक कार्य संचालन, विपणन, विभाग के साथ और वीएफडीएस के साथ जुड़ाव के लिए खुद को विभाजित करेंगे। सभी सदस्य अपनी क्षमता और विवेक के अनुसार समूह को मजबूत करने में अपना योगदान देंगे।

7.स्वोट विश्लेषण

क्रमांक	विवरण / वस्तु	:	विवरण
1.	ताकत	::	समूह के सभी सदस्य समान विचारधारा वाले, स्थानीय और सामाजिक वातावरण के अनुकूल होते हैं। उत्पादन लागत कम है, उत्पादन उच्च गुणवत्ता का है और बढ़ते चक्र कम हैं, उत्पादन पूरे वर्ष होगा। एसएचजी के लिए वित्तीय सहायता के लिए जे.आई.सी.ए वानिकी परियोजना द्वारा मानदंडों और निर्देशों के अनुसार प्रशिक्षण और एक्सपोजर आयोजित किए जाएंगे।
2.	दुर्बलता	::	नया स्वयं सहायता समूह, अनुभव की कमी।
3.	मौका	::	डिमांड ज्यादा है और रिटर्न ज्यादा।
4.	धमकी	::	समूह में आंतरिक संघर्ष, पारदर्शिता की कमी, और उच्च जोखिम वहन क्षमता की कमी प्रत्याशित है और समूह के साथ परक्राम्य है।

8. संभावित जोखिमों का विवरण और उन्हें कम करने के उपाय

क्रमांक	संभाव्य जोखिम	:	उन्हें कम करने के उपाय
1.	1. हानिकारक संक्रमण 2. तापमान बनाए रखना और नियम	:	सबसे पहले हाथ और पैरों साबुन से धोकर साफ-सफाई रखनी है व्यक्ति ही फुल किट (टोपी, दस्ताने, एप्रन आदि) के साथ कमरे में प्रवेश करेंगे तथा सफाई का पूरा ध्यान रखेंगे। फंगल अटैक से बचने के लिए नियमित स्प्रे करें।
2.	समूह में आंतरिक संघर्ष, पारदर्शिता	:	कारण को मिटाने के लिए प्रारंभिक चरण में संघर्षों से निपटा जाना चाहिए। समूह के सभी सदस्यों के लिए समान जोखिम, समान लाभ साझा करने की आवश्यकता हर सदस्य को सम्मान और आदर दें।
3.	मंडी	:	सदस्य नए बाजारों और खरीदारों को खोजते रहेंगे
4.	उत्पादन	:	बाजार मांग और सदस्यों का अनुभव उत्पादन के हिसाब से धीरे-धीरे बढ़ाया जाएगा।

7. वित्तीय अनुमान

क्रमांक	परियोजना की लागत	राशि रुपये में
ए	पूजोगत लागत	
ए.1	2 गैस चूल्हे	20000
ए	10ltr पतीले (3)	10500
बी	10ltr कड़ाई(2)	7000
सी	मिल्क एक्सट्रैक्टर मशीन (4)	16000
डी	गैस लाइटर	400
इ	स्पेक्टुला सेट (2)	2500
एफ	रेफ्रिडरेटर	25000
जी	धारदार चाकू का सेट न (1 सेट)	500
एच	दूध लाये जाने वाले कंटेनर 10 ltr (10)	7000
आई	ट्रे/टोकरी (4)	2000
जे	1 kg के डिब्बे (100)	3500
के	200mlकी बोतल (500)	1500
	अन्य	7000
	कुल पूजा लागत	102900

घी तथा फ्लेवरड मिल्क लाभ लागत विश्लेषण (मासिक)

क्रमांक	विवरण	राशि (रु.)
1	पूँजीगत लागत पर 10% मूल्यहास (ए)	1029
2	आवर्ती लागत (बी)	
2.1	कमरे का किराया	12000
2.2	श्रम	20790
2.3	इब्बों की कीमत	4500
2.5	पैकेजिंग (पैकेजिंग सामग्री आदि)	4000
2.6	यातायात भुगतान	7200
2.8	विविध व्यय (स्टेशनरी, बिल बुक, रसीद आदि)	3500
	कुल	
6	कुल लाभ = बिक्री मूल्य- (आवर्ती लागत) = 95000-51990	43010

एक महीने में अर्जित किया गया लाभ = 34320 Rs

इसी औसत के आधार पर एक वर्ष में अर्जित किया गया लाभ = 43010*12 = 516120 Rs

कुल लाभ = वार्षिक बिक्री मूल्य - (पूँजीगत लागत + आवर्ती लागत)

$$= 516120 - (102900 + 51990)$$

$$= 361230 \text{ Rs}$$

स्विच्छेदन बिंदु (ब्रेक इवन पवाइंट) की गणना

ब्रेक इवन पवाइंट = पूँजीगत व्यय/ विक्रय मूल्य - आवर्ती मूल्य

$$= 102900/95000 - 51990$$

$$= 2.39 \text{ माह} * 30 = 71.77 = 72 \text{ दिन (लगभग)}$$

अतः लगभग दिनों में स्विच्छेदन बिंदु प्राप्त कर दिया जायेगा।

13. समूह में निधि प्रवाह:

क्रमांक	विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान	एसएचजी योगदान
1	कुल पूंजी लागत	102900	77175	25725

ध्यान दें-

- पूंजी लागत -कुल पूंजीगत लागत का 75% परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा
- आवर्ती लागत - एसएचजी/सीआईजी पूरा खर्चा वहन करेगा।
- प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन-कुल लागतपरियोजना द्वारा वहन किया जाएगा

14. धन और खरीद के स्रोत:

परियोजना का समर्थन	<ul style="list-style-type: none">• पूंजीगत लागत का 75% उपकरणों सहित मशीनरी की खरीद के लिए उपयोग किया जाएगा।• रुपये तक 1 लाख एसएचजी बैंक खाते में रिवॉल्विंग फंड के रूप में जमा किए जाएंगे।• प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत।	संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा सभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करने के बाद मशीनों/उपकरणों की खरीद की जाएगी।
एसएचजी योगदान	<ul style="list-style-type: none">• पूंजीगत लागत का 25% स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाएगा।• एसएचजी द्वारा वहन की जाने वाली आवर्ती लागत	

15. टिप्पणियां:

समूह का आगामी दृष्टिकोण एक अच्छा विकल्प के रूप में मूल्य संवर्धन द्वारा उनकी आय में वृद्धि करना है; आदि।

दूध उत्पाद आय का अच्छा स्रोत बन सकता है।

एसएचजी का सामूहिक चित्र

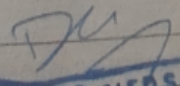


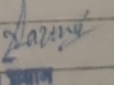
20/7/23

समूह का सदस्यता पत्र

आज दिनांक 20/7/23 को जीन वैंसी जहाँ राक्षस समूह का समूह की बैठक प्रधान कृषि विभाग लक्ष्मी के अध्यक्ष के द्वारा जिसमें समूह के सभी सदस्यों ने अंतर्गत में यह निर्णय लिया कि वे समूह को धारा के अंतर्गत के लिए वृद्ध का कार्य और योद्धा आरंभ करने के लिए विभागाध्यक्ष प्रवेश वन परिस्थिति की तन्त्र प्रणाली और आजीवनका दुधार योजना (जायका) से जुड़ने की सदस्यता प्रदान करते हैं।

सदस्यों के नाम	हस्ताक्षर
1 श्रीमती विजय लक्ष्मी	विजय
2 " सोना देवी	सोना देवी
3 " कमला देवी	कमला देवी
4 " इन्दिरा देवी	इन्दिरा देवी
5 " सीमा देवी	सीमा देवी
6 " रामलक्ष्मी	रामलक्ष्मी
7 " सविता देवी	सविता देवी
8 " लक्ष्मी देवी	लक्ष्मी देवी
9 " उर्मिला देवी	उर्मिला देवी
10 " अंजनी देवी	अंजनी देवी
11 " इशरा देवी	इशरा देवी


 Recommended for Approval
 Member
 वन परिक्षेत्राधिकारी
 अमृत वन परिक्षेत्र
 स्थित निरमण्ड जिला कुल्लु


 Approved by DMU C.A.M. JFO
 DMU C.A.M. Divisional
 Forest Officer A.P. &
 Lohri